हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 99 | देहरादून, मंगलवार, 04 अक्टूबर, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने किए बाबा केदार के दर्शन कर यात्रियों से जाना अनुभव 3

महाराज ने किया उत्तराखंड का पहला ओटीटी प्लेटफॉर्म ऐप लॉन्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 अक्टूबर। प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने लोक भाषाओं गढ़वाली व कुमाऊनी को समर्पित उत्तराखंड के पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म ₹अम्बे सिनेस्र को लॉच किया। प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री सतपाल महाराज ने अम्बे सिने हाऊस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में लोक संस्कृति के संरक्षण हेतु लोक भाषाओं गढ़वाली, कुमांऊनी को समर्पित उत्तराखंड के पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म ऐप ₹अम्बे सिनेस्र को लॉच किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में कई ओटीटी प्लेटफॉर्म ने खासी सफलता हासिल की है। इस दिशा में उत्तराखंड का पहला ओटीटी प्लेटफॉर्म शुरू होना एक प्रगतिशील कदम है। उत्तराखंड में भी सरकार ओटीटी

प्लेटफॉर्म के लिए शीघ्र ही एक पॉलिसी बनाने जा रही है। इसके लिए लोगों से सुझाव लिए जा रहे हैं। महाराज ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अभी जो फिल्में या वेव सीरीज बनती हैं उनके लिए हमारे यहाँ सब्सिडी का प्राविधान नहीं है। बहुत सी फिल्में अभी क्योंकि सिनेमा हॉल में रिलीज न होकर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ही रिलीज होती हैं। लोक संस्कृति

के संरक्षण हेतु ओटीटी प्लेटफॉर्म एक बड़ा प्लेटफार्म है इसलिए प्रदेश सरकार इसके लिए एक पॉलिसी बनाने जा रही है।इस अवसर पर उद्योगपति व एमडी अम्बे ग्रुप हर्षपाल चौधरी, चेयरमैन अम्बे ग्रुप श्रीमती बीना चौधरी, लोक गायक नरेन्द्र सिंह नेगी, पूर्व राज्यमंत्री घनानंद, राकेश गौड़, अनुज जोशी, श्रीमती मीना राणा एवं चारू तिवारी आदि थे।

लम्बित प्रकरणों का समय पर हो निस्तारण : डॉ0 धन सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 अक्टूबर। कैबिनेट मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने शिक्षा विभाग में लम्बित प्रकरणों को समय पर पूरा न किये जाने को लेकर विभागीय अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। विद्या समीक्षा केन्द्र की धीमी प्रगति, बीआरसी-सीआरसी की तैनाती, स्कूल ड्रेस, जूते, बैग एवं पुस्तक वितरण में देरी, ब्लॉक से लेकर निदेषालय स्तर पर लम्बे समय से रिक्त पदों की डीपीसी ने किये जाने सहित कई प्रकरणों पर विभागीय अधिकारियों का जबाव तलब किया। विभागीय मंत्री ने नितांत अस्थाई व्यवस्था के तहत 6 विषयों में शिक्षकों के रिक्त पद भरे जाने हेतु अधिकारियों को आगामी कैबिनेट में प्रस्ताव लाने के निर्देश दिये। सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने आज शिक्षा महानिदेशालय ननूरखेड़ा में शिक्षाविभाग की समीक्षा बैठक ली। डॉ0 रावत ने विभाग में

- शिक्षा मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को लगाई जमकर फटकार
- कहा, विद्या समीक्षा केन्द्र के निर्माण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं
- ब्लॉक से लेकर निदेशालय के रिक्त पदों पर शीघ्र डीपीसी के निर्देश

लम्बित प्रकरणों को समय पर पूरा न किये जाने पर विभागीय अधिकारियों से जबाव तलब कर जमकर लताड़ लगाई। उन्होंने विभागीय कार्यप्रणाली में तेजी लाने व लम्बित प्रकरणों को शीघ्र पूरा करने के निर्देष विभागीय अधिकारियों को दिये। विद्या समीक्षा केन्द्र की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुये डॉ0 रावत ने कहा कि विद्या समीक्षा केन्द्र का निर्माणकार्य छह महीने के भीतर पूरा कर लिया जाय। उन्होंने कहा कि समीक्षा केन्द्र के निर्माण कार्यों में कतई भी लापरवाही बर्दाष्त नहीं की जायेगी। विभागीय मंत्री ने ब्लॉक, जिला एवं निदेषालय स्तर पर लम्बे समय से रिक्त पड़े प्रषासनिक संवर्ग के पदों पर डीपीसी करने तथा बीआरसी व सीआरसी की शीघ्र तैनाती करने के निर्देष भी अधिकारियों को दिये। इसके अलावा उन्होंने निःषुल्क स्कूल ड्रेस, जूते एवं बैग के लिये छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से शीघ्र धनराषि भेजने को भी कहा। डॉ0 रावत ने आगामी कैबिनेट बैठक में नितांत अस्थाई व्यवस्था के तहत दैनिक वेतनमान के आधार पर 6 विषयों में षिक्षकों के रिक्त पद भरे जाने हेतु प्रस्ताव लाने के निर्देष विभागीय अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के तहत स्थानीय स्तर पर षिक्षकों की तैनाती की जायेगी ताकि विज्ञान जैसे विषयों में शिक्षकों की कमी दूर की जा सकेगी। बैठक में विद्यालयी शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आर के कुंवर, निदेशक प्राथमिक शिक्षा वंदना गर्ग्याल, संयुक्त निदेशक बी एस नेगी सहित शासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

इन लोगों को भूल से भी नहीं करना चाहिए कॉफी का सेवन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट ,3 अक्टूबर। अक्सर हम आपको आपकी सेहत से जुडी खबर बताते हैं। हमारा मकसद ही है अपने पाठकों के लिए सेहतमंद खबर पेश करना अब इसी कड़ी में आज हम बात कर रहे हैं टेस्टी कॉफ़ी की। गर्मागर्म कॉफी भले ही टेस्टी हो, लेकिन इसमें मौजूद कैफीन सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है. यहां आपको बताने जा रहे हैं कि किन हेल्थ प्रॉब्लम्स के दौरान कॉफी को नहीं पीना चाहिए.

ग्लूकोमाः आंख से जुड़ी इस समस्या के दौरान कॉफी जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचना चाहिए. एक्सपर्ट्स का मानना है कि कॉफी में मौजूद तत्व ग्लूकोमा की समस्या को और बढ़ा सकते हैं. ऐसे में इससे दूरी बनाए रखें.दिल की धड़कनः एक्सपर्ट्स का मानना है कि कॉफी में मौजूद कैफीन दिल की धड़कनों को बढ़ा सकता है. इससे ब्लड प्रेशर का लेवल डिस्टर्ब हो सकता है. आप बीपी का शिकार नहीं बनना चाहते हैं, तो कॉफी को कम मात्रा में ही पिएं.स्लीपिंग डिसऑर्डरः कई स्टडीज में दावा किया गया है कि कॉफी का सेवन नींद न आने की प्रॉब्लम को बढ़ा सकता है. जिन लोगों को नींद न आने की दिक्कत हो, उनके लिए कॉफी को बॉय बॉय कह देना ही बेहतर होता है.दस्त में न पिएं कॉफीः ऐसा माना जाता है कि कॉफी की तासीर गर्म होती है और जिन लोगों का पेट खराब हो या दस्त की समस्या हो उन्हें इस स्थिति में भूल से भी कॉफी नहीं पीनी चाहिए. कॉफी के तत्व दस्त की समस्या को और बढ़ा सकते हैं.

बाप रे.... ऐसे भी चोरी होती है, खबर पढ़ कर हो जाए चौकन्ना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जैसे-जैसे दुनिया आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे चोरी करने के तरीके भी बढ़ रहे है।एक चोरी का तरीका कुछ ऐसा भी है। आपको बता दे कोतवाली लालकुआ के हल्दूचौद थाना क्षेत्र के मोहलदु क्षेत्र के खड़कपुर गांव में पिछले कई दिनों से संदिग्ध महिला क्षेत्र में बर्थ डे का निमंत्रण देने के बहाने घर में घुस कर चोरी कर रही थी। उक्त महिला के खिलाफ तमाम शिकायतों के बावजूद पुलिस केवल सीसीटीवी फुटेज ही खंगालने में लगी रही। बताया जा रहा है कि उक्त महिला ने दो दिन पहले भी स्कूटी से आकर एक घर में बर्थडे पार्टी का न्योता देने के बहाने घुसकर चोरी का प्रयास किया। लेकिन घर की महिलाओं ने महिला को चोरी करते हुए देखा, लेकिन वह स्कूटी लेकर फरार हो गई।

ग्रामीणों की मानें तो उक्त महिला एक घर में घुसकर लैपटॉप चोरी कर भाग रही थी। तभी घर वालों ने उक्त महिला को पकड़ लिया। जिसके बाद सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने उसे ग्रामीणों के चंगुल से छुड़ाया और पुलिस चौकी ले गई. पुलिस का कहना है कि उक्त महिला से पूछताछ कर उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। एक परिवार द्वारा महिला के खिलाफ तहरीर भी दी गई है. बताया जा रहा है कि बीते दिन उक्त महिला ने एक घर में घुसकर चोरी करने का प्रयास किया, जहां घर वालों ने उसे पकड़ लिया।

कोतवाली लालकुआ के हल्दूचौद थाना क्षेत्र के मोहलदु क्षेत्र के खड़कपुर गांव में चोरी करते हुए एक संदिग्ध महिला को ग्रामीणों ने आखिरकार रंगेहाथ पकड़ लिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह महिला को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़ाया और थाने ले गई. पूछताछ के बाद महिला को छोड़ दिया गया। वहीं, पीड़ित परिवार ने महिला के खिलाफ शिकायत दी है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.आपको बता दें कि पुलिस महिला से पूछताछ का हवाला देते हुए कुछ भी बताने से बचती नजर आ रही है. इधर क्षेत्र के ग्रामीणों ने महिला के खिलाफ लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है.

ये मिर्च आपकी जान ले सकती हैं, सुपरहॉट 'ड्रैगन ब्रेथ' मिर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मिर्च से मौत मरने का एक आम तरीका नहीं हो सकता है, लेकिन यह निश्चित रूप से अशुभ आत्माओं के लिए एक संभावना है जो ड्रैगन की सांस, शहर की नई सबसे गर्म मिर्च की कोशिश करने के लिए पर्याप्त साहसी हैं।यूनाइटेड किंगडम में टॉम स्मिथ के पौधों के मालिक माइक स्मिथ ने नॉटिंघम विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के साथ रिकॉर्ड तोड़ने वाली काली मिर्च विकसित की। हालांकि, वह खाने के लिए काली मिर्च की सिफारिश नहीं करता है, क्योंकि यह आखिरी चीज हो सकती है जिसे कोई व्यक्ति चखता है।तो कैसे वास्तव में गर्म मिर्च, जैसे कि ड्रैगन की सांस, उन्हें खाने की कोशिश करने वालों को अपंग या मार देती है? आइए मिर्च के मसालेदार आँकड़ों के साथ शुरू करें: ड्रैगन की सांस इतनी मसालेदार है, यह स्कोविल पैमाने पर 2.48 मिलियन ऊष्मा इकाइयों में घूमती है, कैप्साइसिन की सांद्रता का एक माप, वह रसायन जो उस मसालेदार-गर्मी सनसनी को छोड़ता है। ड्रैगन्स ब्रीथ वर्तमान रिकॉर्ड-धारक, कैरोलिना रीपर की तुलना में अधिक गर्म है, जो औसतन 1.6 मिलियन स्कोविल हीट यूनिट, साथ ही अमेरिकी सैन्य काली मिर्च स्प्रे पैक करता है, जो स्कोविल पैमाने पर लगभग 2 मिलियन हिट करता है।इसकी तुलना में, हैबनेरो काली मिर्च लगभग 350,000 स्कोविल ताप इकाइयों में हल्की हल्की होती है, जैसा कि जलेपीनो काली मिर्च है, जो गर्म मिर्च को समर्पित साइट पेपरस्केल के अनुसार, 8,000 ताप इकाइयों तक पंजीकृत होती है।

विदाई से पहले बरसेगा मेघा 5 अक्तूबर से येलो अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 अक्टूबर। उत्तराखंड में पांच अक्तूबर से बारिश को लेकर मौसम विभाग ने येलो जबकि छह अक्टूबर से ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक पूरे प्रदेश में कहीं हल्की, मध्यम तो कहीं भारी बारिश की संभावना है ।मौसम विज्ञान निदेशक डा. बिक्रम सिंह ने बताया कि राजस्थान, हरियाणा, पश्चिमी यूपी, दिल्ली के कुछ हिस्सों से मानसून विदा हुआ है। उत्तराखंड में पांच से नौ अक्टूबर तक बारिश का अनुमान है। बारिश हल्की से मध्यम हो सकती है। सभी जिलों को इसके लिए सूचना भेज दी गई है। मानसून के विदा लेने से पहले बारिश का एक दौर अभी और दिखाई दे रहा है, उसकी के बाद मानसून की विदाई मानी जाएगी।

चारधाम के लिए बनेगा डॉक्टरों का अलग कैडर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 अक्टूबर। उत्तराखंड सरकार चाहती है कि तीर्थ यात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं. इसे ध्यान में रखते हुए चारधाम के लिए डॉक्टरों का अलग कैडर बनाने का फैसला लिया गया है. इससे चारधाम यात्रा मार्गों के अस्पतालों में भी विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध होंगी. यहां उन्ही डॉक्टरों की तैनाती होगी जो चारधाम यात्रा मार्ग पर ही तैनाती के लिए भर्ती किए गये हैं. इसके साथ ही चारधाम के यात्रा मार्गों पर नए अस्पताल खोले जाएंगे. चारधाम यात्र मार्ग पर बनने वाले इन अस्पतालों के लिए एशियन डेवलपमेंट बैंक से वित्तीय सहायता मिलेगी. अस्पतालों के निर्माण के लिए सरकार योजना तैयार कर रही है.

उत्तराखंड में डॉक्टर सरकारी नौकरी तो पा लेते हैं लेकिन पहाड़ों पर जाने के नाम से ही वो कतराते हैं. आलम ये है कि अपनी तरह-तरह की समस्याएं बताकर डॉक्टर मैदानी इलाकों जैसे- हरिद्वार, उधमसिंह नगर, देहरादून और ऋषिकेश में तैनाती पाना चाहते हैं. यही कारण है कि राज्य में किसी की भी सरकार रही हो स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर हमेशा सवाल खड़े होते रहे हैं. लेकिन मौजूदा सरकार अब कुछ ऐसा करने जा रही है जिसके बाद हो सकता है कि पहाड़ में स्वास्थ्य सेवाओं की सूरत बदल सके.

हालांकि, ये प्लान उत्तराखंड सरकार अभी सिर्फ चारधाम यात्रा को लेकर बना रही है. दरअसल, राज्य का स्वास्थ्य महकमा चारधाम यात्रा मार्गों पर तैनात रहने वाले डॉक्टरों को अलग कैडर देने जा रही है. डॉक्टरों से भर्ती के वक्त ये पूछा जाएगा कि उनकी तैनाती चारधाम यात्रा मार्गों जैसे- उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और टिहरी गढ़वाल जैसे क्षेत्रों में होगी. राज्य सरकार ये इंतजाम इसलिए कर रही है क्योंकि आए दिन चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है और ऐसे में सरकार को ये लगता है कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होनी चाहिए।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने किए बाबा केदार के दर्शन कर यात्रियों से जाना अनुभव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 अक्टूबर। उत्तराखंड सरकार चाहती है कि तीर्थ यात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं. इसे ध्यान में रखते हुए चारधाम के लिए डॉक्टरों का अलग कैडर बनाने का फैसला लिया गया है. इससे चारधाम यात्रा मार्गों के अस्पतालों में भी विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध होंगी. यहां उन्ही डॉक्टरों की तैनाती होगी जो चारधाम यात्रा मार्ग पर ही तैनाती के लिए भर्ती किए गये हैं. इसके साथ ही चारधाम के यात्रा मार्गों पर नए अस्पताल खोले जाएंगे. चारधाम यात्र मार्ग पर बनने वाले इन अस्पतालों के लिए एशियन डेवलपमेंट बैंक से वित्तीय सहायता मिलेगी. अस्पतालों के निर्माण के लिए सरकार योजना तैयार कर रही है.

उत्तराखंड में डॉक्टर सरकारी नौकरी तो पा लेते हैं लेकिन पहाड़ों पर जाने के नाम से ही वो कतराते हैं. आलम ये है कि अपनी तरह-तरह की समस्याएं बताकर डॉक्टर मैदानी इलाकों जैसे- हरिद्वार, उधमसिंह नगर, देहरादून और ऋषिकेश में तैनाती पाना चाहते हैं. यही कारण है कि राज्य में किसी की भी सरकार रही हो स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर हमेशा सवाल खड़े होते रहे हैं. लेकिन मौजूदा सरकार अब कुछ ऐसा करने जा रही है जिसके बाद हो सकता है कि पहाड़ में स्वास्थ्य सेवाओं की सूरत बदल सके.

हालांकि, ये प्लान उत्तराखंड सरकार अभी सिर्फ चारधाम यात्रा को लेकर बना रही है. दरअसल, राज्य का स्वास्थ्य महकमा चारधाम यात्रा मार्गों पर तैनात रहने वाले डॉक्टरों को अलग कैडर देने जा रही है. डॉक्टरों से भर्ती के वक्त ये पूछा जाएगा कि उनकी तैनाती चारधाम यात्रा मार्गों जैसे- उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और टिहरी गढ़वाल जैसे क्षेत्रों में होगी. राज्य सरकार ये इंतजाम इसलिए कर रही है क्योंकि आए दिन चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है और ऐसे में सरकार को ये लगता है कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होनी चाहिए।

नवरात्रि के नौवें दिन करें इस मंदिर में दर्शन, पूरी होगी मनोकामना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देश के साथ-साथ हल्द्वानी में भी वरात्रि को लेकर काफी चर्चा है। इस समय मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ रहती है। आइए आपको बताते हैं हल्द्वानी के प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में।

1 . मां शीतला देवी मंदिर नैनीताल जिले के हल्द्वानी में काठगोदाम की ऊंची चोटी पर स्थित है। मां शीतला को मां दुर्गा का अवतार भी माना जाता है। इस मंदिर में न केवल स्थानीय लोग बल्कि दूर-दूर से भक्त मां के दर्शन करने आते हैं।

2 . सत्यनारायण मंदिर की विशेषता यह है कि इस मंदिर में सच्चे मन से मन्नत मांगने वाले भक्त की सभी मनोकामनाएं अवश्य ही पूरी होती हैं। 63 साल पुराना यह मंदिर कालाढूंगी रोड स्थित भोलानाथ गार्डन में है। ऐसा माना जाता है कि भगवान सत्यनारायण और माता लक्ष्मी मंदिर में आने वाले प्रत्येक भक्त की मनोकामना पूरी करते हैं। मंदिर में प्रतिष्ठित लक्ष्मीनारायण की मूर्ति बहुत ही आकर्षक है।

3. उत्तराखंड चार धामों, सिद्ध पीठों और देवालयों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं सिद्ध पीठों में से एक नैनीताल रोड के कालाढूंगी चौराहे पर स्थित श्री कालू सिद्ध

बाबा का मंदिर है। यह मंदिर शहर के मध्य में स्थित है। ऐसा माना जाता है कि बाबा से सच्चे मन से की गई हर मनोकामना पूरी होती है।

4. उत्तराखंड के हल्द्वानी शहर के सबसे पुराने मंदिरों की बात करें तो इस सूची में गायत्री माता का मंदिर पहले स्थान पर होगा। यह मंदिर शहर के बाजार क्षेत्र की मटर गली में स्थित है। मंदिर की मान्यता और मंदिर का इतिहास करीब 150 साल पुराना है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यह मंदिर वट वृक्ष के नीचे स्थित है। इस मंदिर में गायत्री माता के साथ भगवान शंकर और शनिदेव की मूर्तियों की भी प्राण प्रतिष्ठा की गई है।

'है भगवान फिर से बारिश', उत्तराखंड में आईएमडी का अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 72 घंटों में पूरे दक्षिण बंगाल में मध्यम से भारी बारिश की भविष्यवाणी की है. आईएमडी ने उत्तराखंड में भी भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है. मध्य और पूर्वोत्तर भारत में मंगलवार से भारी बारिश शुरू हो सकती है. आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, 'बंगाल की खाड़ी में बनने वाले एक बारिश लाने वाली मौसम प्रणाली के मद्देनजर, ओडिशा, झारखंड और गंगीय पश्चिम बंगाल में 4 अक्टूबर तक बारिश जारी रहेगी.' पश्चिम बंगाल के आसनसोल में भारी बारिश ने पूरे शहर में पूजा पंडालों और लाइट गेटों को क्षतिग्रस्त कर दिया.

आईएमडी ने अपने नवीनतम मौसम बुलेटिन में कहा है, 'हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में 06 अक्टूबर से अगले 2-3 दिनों के लिए भारी बारिश शुरू होने की संभावना है. आंध्र प्रदेश के तट से दूर पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर मध्य क्षोभमंडल स्तर तक फैला चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है. एक अन्य चक्रवाती परिसंचरण पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी और उसके पड़ोसी क्षेत्रों के ऊपर बना है, जो मध्य क्षोभमंडल स्तर तक फैला हुआ है. मंगलवार से उपरोक्त दोनों मौसमी प्रणालियों के एक दूसरे में विलय होने की बहुत संभावना है. इसके कारण भारी बारिश होगी. मंगलवार तक पूर्वोत्तर क्षेत्रों में भी तेज बारिश होने की संभावना है. 4 और 6 अक्टूबर, 2022 के दौरान असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में मध्यम से भारी बारिश होगी.

पर्यटन मंत्री महाराज ने किया जॉर्ज एवरेस्ट से हिमालय दर्शन हेलिकॉप्टर सेवा का शुभारंभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 अक्टूबर। हमारी सरकार निरंतर पर्यटन के विकास की दिशा में आगे बढ़ रही है। पर्यटक जॉर्ज एवरेस्ट से हेलीकॉप्टर के माध्यमिक से हिमालय की ऊंची ऊंची चोटी और उत्तराखंड के अलौकिक नैसर्गिक सौंदर्य का आनंद ले सकेंगे। उक्त बात जॉर्ज एवरेस्ट एस्टेट मसूरी से हेलीकॉप्टर के माध्यम से हिमालय दर्शन की सेवा का शुभारंभ करते हुए पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने अपने संबोधन में कही।प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने जॉर्ज एवरेस्ट एस्टेट मसूरी से हेलीकॉप्टर के माध्यम से हिमालय दर्शन की सेवा का शुभारंभ करते हुए कहा कि हमारी सरकार निरंतर पर्यटन के विकास की दिशा में आगे बढ़ रही है इसी बात को ध्यान में रखकर जॉर्ज एवरेस्ट मसूरी से हेलीकॉप्टर के माध्यम से हिमालय दर्शन की सेवा शुरू की गई है।उन्होंने कहा कि पर्यटक जॉर्ज एवरेस्ट से हेलीकॉप्टर के माध्यम से हिमालय की ऊंची ऊंची चोटियों और उत्तराखंड के अलौकिक नैसर्गिक सौंदर्य का आनंद ले सकेंगे यह हेलीकॉप्टर हिमालय दर्शन के उपरांत पर्यटकों को वापस चार्ज एवरेस्ट पर ही लैंड करेगा। उन्होंने कहा कि हम देश विदेश के लोगों तक यह संदेश पहुंचाना चाहते हैं कि अधिक से अधिक लोग उत्तराखंड हैं और जॉर्ज एवरेस्ट स्टेट मसूरी पर निर्मित हेलीपैड से टेक ऑफ हिमालय दर्शन का आनंद प्राप्त करें।महाराज ने कहा कि इससे जहां स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा वहीं दूसरी ओर राज्य में आने वाले पर्यटकों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पर्यटन विभाग द्वारा जॉर्ज एवरेस्ट मसूरी में महान सर्वेयर जॉर्ज एवरेस्ट याद में एक संग्रहालय बनाया जा रहा है जिसका कार्य शीघ्र ही पूर्ण होगा। इतना ही नहीं यहां पर भारतीय कार्टोग्राफी के पुरोधा स्वर्गीय पंडित नैन सिंह रावत एवं राधानाथ सिकदर की प्रतिमाएं भी स्थापित की जा रही है और उनके जीवन से संबंधित उपलब्धियों में इस संग्रहालय के माध्यम से एक पूरा अध्याय यहां आने वाले आगंतुकों की जिज्ञासाओं को शांत करने और ज्ञान वर्धन के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है।पर्यटन मंत्री ने कहा कि एयर स्पोर्टस से जुड़ी अन्य कई आकर्षक गतिविधियां भी जॉर्ज एवरेस्ट एस्टेट मसूरी से शुरू की जा रही है। इसके लिए पर्यटन विभाग ने ट्रायल के लिए एक प्रतिष्ठित कंपनी से अनुबंध भी किया है। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हमने इसकी शुरुआत की है।इस मौके पर पर्यटन मंत्री महाराज ने बताया कि विश्व पर्यटन दिवस पर पर्यटन प्रेमियों के लिए एक बहुत ही आकर्षक फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कॉन्टेस्ट का शुभारंभ किया गया है।

भारतीय कार्टोग्राफी के पुरोधा पंडित नैन सिंह रावत एवं राधानाथ सिकदर की प्रतिमाएं होंगी स्थापित

इसके अंतर्गत पांच विभिन्न श्रेणियों में फोटो एवं वीडियो ऑनलाइन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इस कॉन्टेस्ट के माध्यम से प्रकृति पर्यटन प्रेमियों को 25 लाख रुपए से भी अधिक के पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।इस अवसर पर मनीष सैनी सीओओ राजस ऐरोस्पोर्ट्स, मसूरी बीजेपी मंडल अध्यक्ष मोहन पेटवाल, मंडल महामंत्री कुशाल राणा, मंडल उपाध्यक्ष अमित भट्ट, सभासद अरविंद सेमवाल, सभासद मदन मोहन शर्मा, जिला पर्यटन विकास अधिकारी देहरादून जसपाल चौहान, सतीश नौटियाल, बादल प्रकाश, अभिलाश राणा, आशुतोष कोठारी आदि मौजूद रहे।

स्वीडन के वैज्ञानिक स्वांते पाबो को मिलेगा नोबेल पुरस्कार, ये है परिचय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 3 अक्टूबर। नोबेल पुरस्कारों के ऐलान की शुरुआत हो गई है. पहले फिजियोलॉजी/ मेडिसिन के नोबेल पुरस्कार की घोषणा की गई है, जो इस बार स्वीडन के वैज्ञानिक स्वांते पाबो को दिया गया है. उन्होंने मानव विकास के जीनोम को लेकर खोज की थी, जिसके बाद उन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है. डीएनए को लेकर की जा रही रिसर्च के क्षेत्र में स्वांते पाबो काफी चर्चित नाम है. अब नोबेल पुरस्कार के नाम के ऐलान के बाद उनकी काफी चर्चा की जा रही है.ऐसे में जानते हैं कि आखिर स्वांते पाबो को किस ऐतिहासिक कार्य के लिए इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है और साथ ही जानते हैं उनकी लाइफ से जुड़ी खास बातें...

क्यों दिया गया है नोबेल पुरस्कार?

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, स्वांते पाबो को विलुप्त होमिनिन और मानव विकास के जीनोम से संबंधित खोज के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. बता दें कि नोबेल पुरस्कार विजेता स्वांते पाबो ने पाया कि जीन का स्थानांतरण आज जो विलुप्त हो रहे होमिनिन हैं, उनसे होमो सेपियन्स में हुआ था. आज के मनुष्यों के लिए जीन के इस प्राचीन प्रवाह की आज शारीरिक प्रासंगिकता है. यह ठीक उसी तरह है, जिस तरह से हमारे शरीर का इम्यून सिस्टम किसी भी इंफेक्शन को लेकर प्रतिक्रिया करता है.इसके साथ ही उन्होंने डेनिसोवा नाम के एक विलुप्त होमिनिन की सनसनीखेज खोज भी की, जो पूरी तरह से एक छोटी उंगली की हड्डी के नमूने से प्राप्त जीनोम डेटा से प्राप्त हुई थी.

कौन हैं स्वांते पाबो?

स्वांते पाबो स्वीडन के स्टॉकहोम के रहने वाले हैं. उनके पिता Sune BergstrÖm भी बायोकैमिस्ट थे और खास बात ये है कि उन्हें भी साल 1982 में नोबेल पुरस्कार (साझा) मिला था. पाबो ने 1986 में Uppsala University से पढ़ाई की थी. उन्होंने पीएचडी के वक्त यह रिसर्च की थी कि एडेनोवायरस का E19 प्रोटीन इम्यून सिस्टम को कैसे नियंत्रित करता है.इसके साथ ही पाबो ने डीएनए को लेकर काफी काम किया है. उन्हें Paleogenetics के तौर पर जाना जाता है यानी जो डीएनए, हमारी उत्पत्ति, पृथ्वी पर जीवों की उत्पत्ति आदि को लेकर रिसर्च करते हैं. उनकी शादी साल 2008 में Linda Vigilant से हुई थी और दो बच्चे भी हैं. नोबेल पुरस्कार से पहले भी उन्हें कई अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है, जिसकी लिस्ट काफी लंबी है.67 साल के पाबो की खोजों ने एक अनूठा संसाधन स्थापित किया है, जिसका इस्तेमाल वैज्ञानिक समुदाय द्वारा मानव विकास और प्रवास को बेहतर ढंग से समझने के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है.

बता दें कि मंगलवार को भौतिकी विज्ञान, बुधवार को रसायन विज्ञान और गुरुवार को साहित्य के क्षेत्र में इन पुरस्कारों की घोषणा की जाएगी. इस वर्ष (2022) के नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को और अर्थशास्त्र के क्षेत्र में पुरस्कार की घोषणा 10 अक्टूबर को की जाएगी.

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने पुलिस को जेल के बाहर प्रत्यर्पित गैंगस्टर की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने हाल ही में उत्तराखंड पुलिस को प्रत्यर्पित गैंगस्टर प्रकाश चंद्र पांडे उर्फ बंटी पांडे को केंद्रीय जेल, सितारगंज से सुनवाई की तारीखों पर विभिन्न अदालतों में ले जाते समय उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

₹याचिकाकर्ता की उचित आशंका पर मामले के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए कि उसकी जान को खतरा हो सकता है, रिट याचिका की अनुमति दी जाती है। याचिकाकर्ता को केंद्रीय जेल, सितारगंज, उत्तराखंड से विभिन्न न्यायालयों में उचित अनुरक्षण प्रदान करके याचिकाकर्ता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिवादियों को परमादेश की एक रिट जारी की जाती है, जिसमें उनके मामले सुनवाई की विभिन्न तिथियों आदि पर लंबित हैं। और सेंट्रल जेल, सितारगंज वापस, "अदालत ने कहा। न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा की एकल पीठ ने जेल अधिकारियों को उन्हें इलाज के लिए डॉ सुशीला तिवारी सरकारी अस्पताल हल्द्वानी में पेश करने का भी निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि इलाज का खर्च या तो खुद याचिकाकर्ता या उसके रिश्तेदार वहन करेंगे ।छोटा राजन गिरोह के पूर्व सदस्य रहे पांडे को 2010 में वियतनाम से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। जब उसे विभिन्न अदालतों में पेश किया गया और डॉ सुशीला तिवारी सरकारी अस्पताल में इलाज कराया गया तो उसने पुलिस सुरक्षा की मांग करते हुए एक याचिका के साथ अदालत का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता कथित रूप से एक संगठित अपराध सिंडिकेट से संबंधित है और उस पर महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य में मुकदमा चलाया गया है। ₹वर्तमान में, वह सेंट्रल जेल, सितारगंज में बंद है और पुलिस एस्कॉर्ट पार्टी को उत्तराखंड पुलिस द्वारा अलग-अलग अदालतों में ले जाने और सेंट्रल जेल, सितारगंज वापस लाने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है।₹रिकॉर्ड को देखने के बाद, अदालत ने आगे कहा कि वह एक कोरोनरी बीमारी से पीड़ित हैं और डॉ सुशीला तिवारी सरकारी अस्पताल, हल्द्वानी के डॉक्टरों द्वारा नियमित रूप से उनका इलाज किया जा रहा है। इसने उत्तराखंड सरकार की एक अधिसूचना पर भी ध्यान दिया जिसमें कैदियों के इलाज के लिए दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।₹अभिलेखों से यह स्पष्ट है कि उत्तराखंड सरकार ने उत्तराखंड राज्य की जेलों में बंद कैदियों और एड्स, कोरोनरी रोग आदि जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित दोषियों के लिए प्रावधान किया है कि यदि उन्हें चिकित्सा उपचार की आवश्यकता होती है, तो उन्हें उपचार की आवश्यकता होगी। प्रदान किया जाएगा, लेकिन कैदी इलाज का खर्च वहन करेगा, "अदालत ने कहा।

वीडियो कॉलिंग से रोगियों की देखरेख व उपचार बेहतर करेगी 5जी कनेक्टेड एंबुलेंस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 अक्टूबर । डिजिटल क्रांति के दौर में देश में पहली बार 5जी नेटवर्क को लांच किया गया। 5जी नेटवर्क की लांचिंग के बाद देश में एक और उपलब्धि जुड़ गई। देश की पहली 5जी एनेबल्ड एंबुलेंस (5G connected Ambulance) भी लांच किया गया। इस 5जी लोडेड एंबुलेंस से दूरदराज या दुर्गम क्षेत्रों में रोगियों की रियल टाइम निगरानी हो सकेगी। तेज स्पीड इंटरनेट की वजह से वीडियो कॉलिंग से रोगियों की देखरेख व उपचार बेहतर तरीके से हो सकेगी।

क्या है 5जी कनेक्टेड एंबुलेंस सर्विस?

सिस्को सिस्टम्स के शंकर श्रीनिवासन ने बताया कि सामान्य एंबुलेंस में रोगी की निगरानी वीडियो कॉल या व्हाट्सअप कॉल से किया जा सकता है। लेकिन इससे बहुत सही तरीके से निगरानी नहीं की जा सकती है। जबकि 5जी वाले एंबुलेंस से बेहतर चिकित्सीय सेवा की उम्मीद की जा सकती है। 5G के साथ आप पूरी एम्बुलेंस को चिकित्सा उपकरणों के साथ लोड कर सकते हैं। चाहे वह इंजेक्शन सिरिंज, पंप या ईसीजी मशीन या वेंटिलेटर वगैरह हो। रिमोट डॉक्टर रियल टाइम पर उन सारे उपकरणों को लगा सकता है और मरीजों को सही समय पर उपचार मिल सकता। रोगी के डेटा को बिना समय गंवाए डॉक्टर के पास पहुंचाया जा सकेगा। 5जी कनेक्टेड एंबुलेंस में सभी प्रकार की चिकित्सीय सुविधाएं लैस की जा सकेगी और उसकी मॉनिटरिंग सही तरीके से हो सकेगी।

आईसीयू ऑन व्हील

श्रीनिवासन ने बताया कि यह एक तरह से आईसीयू ऑन व्हील होगा। उन्होंने कहा कि इसे पूरी तरह से आईसीयू ऑन व्हील्स के रूप में डिजाइन किया है। आप इसे दूरस्थ जिला मुख्यालय या टियर 3 गांव या शहर में भेज सकते हैं। आपके पास कई लोग हो सकते हैं जो बार-बार अपना मेडिकल चेक-अप करा रहे हैं। इससे बड़ी संख्या में लोगों को लाभ पहुंचाया जा सकता है। न केवल एक व्यक्ति को शहर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में ले जाना इससे आसान होगा बल्कि उसे सभी उपकरण व चिकित्सीय सुविधा भी रास्ते में दिया जा सकेगा।

उत्तराखंड हाई कोर्ट में दशहरा अवकाश इतने दिन बंद रहेगी कोर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 अक्टूबर। उत्तराखंड हाईकोर्ट में दशहरा अवकाश घोषित कर दिया गया है। अब हाई कोर्ट दस अक्टूबर को खुलेगा। रजिस्ट्रार जनरल विवेक भारती शर्मा की ओर से इसका नोटिफिकेशन जारी किर दिया गया है ।उत्तराखंड उच्च न्यायालय में दशहरा को देखते हुए अवकाश घोषित कर दिया गया है। यह अवकाश तीन अक्टूबर से सात अक्टूबर तक रहेगा। हालांकि इसके बाद दो दिन का और अवकाश रहेगा। हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल विवेक भारती शर्मा की ओर से जारी किए गए नोटिफिकेशन में कहा गया है कि हाई कोर्ट में तीन से सात अक्टूबर तक दशहरा अवकाश रहेगा। जबकि आठ अक्टूबर को शनिवार और नौ को रविवार का अवकाश रहेगा। अब अवकाश के बाद दस अक्टूबर को याचिकाओं की सुनवाई होगी।

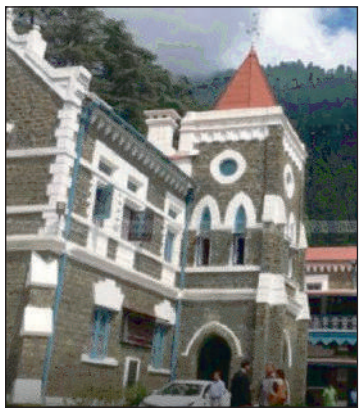

त्योहारों से पहले ज्वेलर्स शॉप पेट्रोल पंप मालिकों के संग पुलिस की बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 अक्टूबर। सोमवार को थाना रायपुर पर उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार दशहरा/दीपावली आदि पर्व के दृष्टिगत ज्वेलर्स शॉप, पेट्रोल पंप मालिकों, व्यापार मंडल आदि की मीटिंग ली गई जिन्हें त्योहारों के दृष्टिगत थानाध्यक्ष रायपुर द्वारा ब्रीफ किया गया। इस दौरान अधिकारीयों और व्यापारियों के बीच कई मुद्दों पर वार्ता हुयी। पुलिस विभाग की तरफ से व्यापारियों को अपने अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने एवं त्योहारों के दौरान सार्वजनिक मार्ग पर दुकाने ना लगाने आदि के संबंध में निर्देश दिए गए साथ ही दुकानों प्रतिष्ठान में काम करने वाले बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन कराने हेतु भी निर्देशित किया गया।

T-Shirts में सेंसर : हार्ट रेट, सांसों और बीमारियों को ट्रैक करने का नया फार्मूला सामने आया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 अक्टूबर । वैज्ञानिकों और रिसर्चर्स के लिए लो-कॉस्ट सेंसर्स ईजाद किए गए हैं, जिसे टी-शर्ट्स में इंबेड किया जा सकता है। ये सेंसर टी-शर्ट्स और फेस मास्क में आसानी से लगाए जा सकते हैं। इससे ब्रीथिंग, हार्ट रेट की निगरानी आसानी से की जा सकती है। इन सेंसर्स से एक्सरसाइज, स्लीप और स्ट्रेस को बेहतर मॉनिटर किया जा सकता है। इससे बीमारियों को डायग्नास करने के अलावा सांस लेने जैसी महत्वपूर्ण चीजों की निगरानी की जा सकती है।

कितनी है कीमत, कैसे करेगा काम

यह नया कॉटन बेस्ड सेंसर है जिसे पेकोटेक्स नाम दिया गया है। इसकी मैन्यूफैक्चरिंग कॉस्ट 0.15 डॉलर के आसपास है। यह साइज में इतने छोटे होते हैं कि 1 मीटर के कपड़े में दस से ज्यादा सेंसर्स लगाए जा सकते हैं। पेकोटेक्स को इंडस्ट्री स्टैंडर्ड कंप्यूटराइज्ड इब्रायडरी मशीन के साथ आसानी से लगाया जा सकता है। बायोइंजिनियरिंग डिपार्टमेंट के एक पीएचडी होल्डर रिसर्चर ने पहली बार इसके बारे में लिखा है। उनका कहना है कि फ्लेक्सिबल मीडियम ऑफ क्लाथिंग का मतलब है हमारे सेंसर्स के वाइड रेंज का इस्तेमाल किया जा सकता है। इन्हें आसानी से तैयार किया जा सकता है। यह नई जेनरेशन के लिए पहनने वाले कपड़ों में भी लगाया जा सकता है।

फेस मास्क में भी लग सकता है

रिसर्च टीम ने इन सेंसर्स को फेस मास्क में भी लगाने में सफलता पाई है, जिससे सांसों पर निगरानी की जा सकती है। वहीं टीशर्ट्स पर लगे सेंसर से हार्ट एक्टिविटी को परखा जा सकता है। टेक्सटाइल पर लगे सेंसर से अमोनिया गैस को भी मॉनिटर किया जा सकता है। यह कंपोनेंट लीवर और किडनी के फंक्शन को भी ट्रैक कर सकता है। अमोनिया सेंसर को गैस की जांच के लिए डेवलप किया गया है, जिसे इंब्रायडरी में फिक्स किया जा सकता है। रिसर्चर्स का कहना है कि इस एप्लीकेशन से कार्डियक एक्टिविटि और ब्रीथिंग पर निगरानी की जा सकती है। आगे इसका प्रयोग बीमारियों के ट्रीटमेंट, एक्सरसाइज के दौरान बॉडी की निगरानी की जा सकती है। साथ ही स्लीप, स्ट्रेस को भी जांचा जा सकता है।

पहनने वाले हैं सेंसर

ये पहने जा सकने वाले सेंसर जैसे कि स्मार्टवॉच होता है, इससे किसी के हेल्थ की बेहतर निगरानी की जा सकती है। हालांकि यह अभी सबके लिए उपलब्ध नहीं है। हालांकि इंपीरियल रिसर्चर्स द्वारा पेकोटेक्स को डेवलप किया जा रहा है। रिसर्चर्स का कहना है कि हम देख रहे हैं कि आने वाले समय में पहने जाने वाले ये सेंसर सभी के लिए उपलब्ध होंगे और फ्यूचर में बीमारियों को ट्रैक करने में बड़ा मददगार साबित होगा।

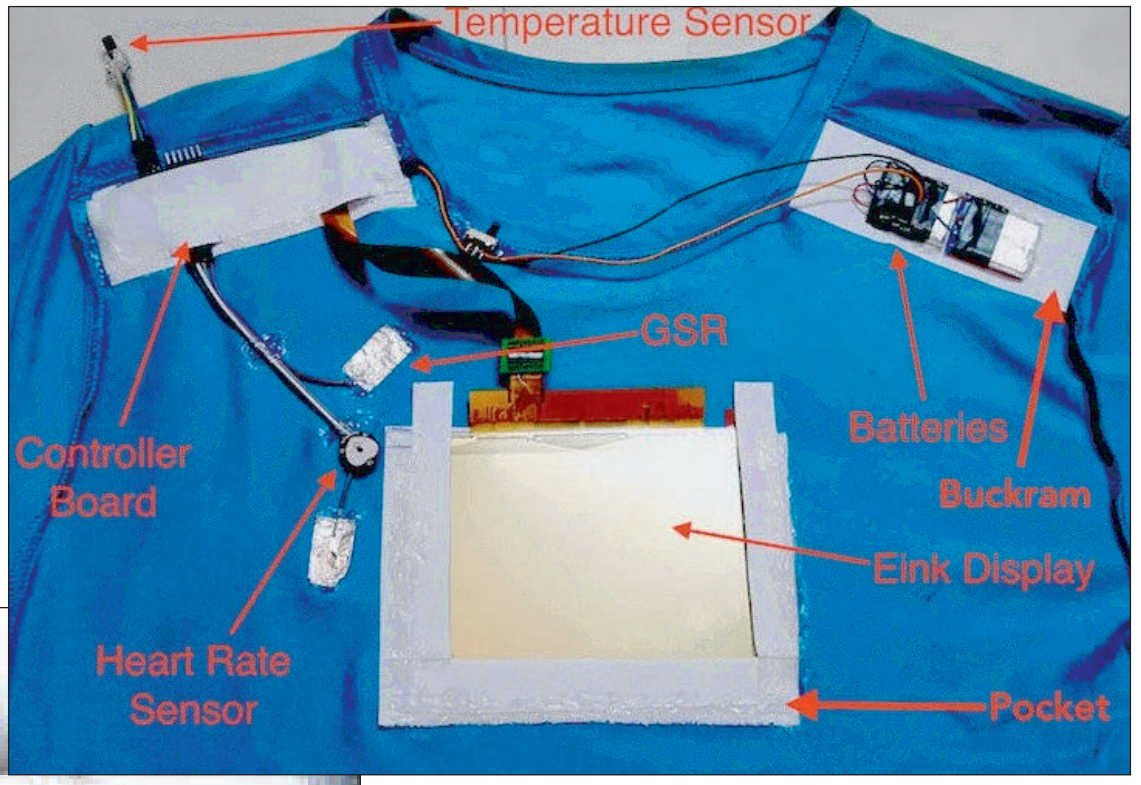

चाहे आप कोई भी हो, देहरादून की पुलिस से कोई नहीं बच सकता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड पुलिस की सूची में वांछित यूट्यूबर बॉबी कटारिया को 6 अक्टूबर तक बी वारंट के तहत देहरादून कोर्ट में पेश होना होगा। तिहाड़ जेल से दिल्ली पुलिस बॉबी कटारिया को हिरासत में लेकर देहरादून कोर्ट में पेश करेगी. एसपी सिटी सरिता डोभाल के मुताबिक दूसरी बार देहरादून कोर्ट से बी वारंट जारी कर पेशी की तारीख तय की गई है। जानकारी के मुताबिक इससे पहले 27 सितंबर को देहरादून थाना कैंट की याचिका पर कोर्ट ने बॉबी कटारिया के खिलाफ बी वारंट जारी किया था. जिसके तहत बॉबी को 1 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होना था, लेकिन किन्हीं कारणों से दिल्ली पुलिस उसे तिहाड़ जेल से तय तारीख पर देहरादून लाकर कोर्ट में पेश नहीं कर पाई. ऐसे में फिर एक अक्टूबर को थाना कैंट ने बी वारंट के लिए कोर्ट में अर्जी दाखिल की. जिसके बाद कोर्ट ने फिर से पुलिस की अपील को मंजूर करते हुए 6 अक्टूबर को पेश होने के आदेश जारी किए हैं। गौरतलब है कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर बॉबी कटारिया का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था।

जिसमें बॉबी कटारिया देहरादून-मसूरी रोड पर कुर्सी और टेबल के साथ सार्वजनिक रूप से शराब पीते नजर आए। इसके साथ ही वह गोलियों से खतरनाक स्टंट भी करते नजर आए। मामले की शिकायत पुलिस से की गई, लेकिन बॉबी कटारिया ने इसके उलट उत्तराखंड पुलिस को चुनौती दी थी.जिस पर पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए बॉबी कटारिया के खिलाफ देहरादून के थाना कैंट में आईपीसी की धारा 290/510/336/342 और 67 आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है. वहीं, बॉबी कटारिया ने उत्तराखंड पुलिस के नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया। जिसके बाद कैंट पुलिस को देहरादून की एक अदालत से गैर जमानती वारंट प्राप्त हुआ।

पुलिस लगातार नोटिस भेजकर बयान देने के लिए हाजिर होने को कह रही थी, लेकिन सभी नोटिसों की अवहेलना करते हुए बॉबी कटारिया बयान देने पुलिस के पास नहीं पहुंचे.वहीं, देहरादून पुलिस ने बॉबी की गिरफ्तारी के लिए ₹25000 के इनाम की घोषणा की। उसके बाद पुलिस ने बॉबी के गुरुग्राम स्थित आवास पर कुर्की का नोटिस चस्पा किया। बॉबी भी दिल्ली पुलिस की डायरी में वांछित था, उसने सितंबर के आखिरी हफ्ते में दिल्ली की अदालत में सरेंडर किया था. जहां से उसे तिहाड़ जेल भेज दिया गया।

आदर्श जिला बनाया जायेगा चम्पावत : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चम्पावत , 3 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चंपावत स्थित श्री घटोत्कच मंदिर में आयोजित घटोत्कच महोत्सव में प्रतिभाग कर घटोत्कच मंदिर में घटकू महाराज की पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि चंपावत की इस पावन भूमि, घटकू महाराज के आशीर्वाद से तथा यहां की देवतुल्य जनता ने उप चुनाव में रिकॉर्ड मतों से उन्हें विजयी बनाकर सहयोग दिया।

उन्होंने कहा कि मानस खण्ड सहित विभिन्न ग्रंथों में चंपावत एक विशिष्ट आध्यात्मिक क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, यहां अनेक देवी देवता विराजमान हैं जो हमारी हमेशा रक्षा करते है। उन्होंने कहा कि चंपावत के साथ ही पूरे प्रदेश में विभिन्न मेले, महोत्सव मनाए जाते हैं जो पहाड़ की मूल संस्कृति को जीवित रखते हैं और इसी कारण से हमारा यह परिवेश पूरे देश में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार निरंतर क्षेत्र के विकास के लिए कार्य कर रही है। चंपावत को आदर्श जिला बनाने हेतु विकास के दृष्टिगत अनेक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे इस क्षेत्र के विकास के प्रति संकल्पित, और मन, वचन, कर्म से हर प्रकार से क्षेत्र की जनता की सेवा के लिए तत्पर हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा क्षेत्र के विकास हेतु अनेक घोषणाएं की गई 'जिसमें घटोत्कच मदिर की चहार दिवारी एवं दो कक्षों का निर्माण, मंदिर का कुमाऊँ शैली में सौन्दर्यीकरण, घटोत्कच मंदिर स्थल को सौंझ हिडिम्बा मंदिर होते हुए गौड़ी सड़क तक लगभग 2.5 किलोमीटर सड़क का निर्माण, घटोत्कच मंदिर से झाली-माली मंदिर तक 1700 मीटर सड़क का डामरीकरण, हिडिम्बा मन्दिर के निकट खेल मैदान का निर्माण, घटोत्कच मंदिर गेट से कैप्टन बिंदु सिंह के घर तक अवशेष सीसी मार्ग का निर्माण के साथ ही तहसीलों को राजस्व कार्यों के संपादन हेतु 2.50 लाख का फण्ड उपलब्ध कराये जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने प्रान्तीय खण्ड लोनिवि चम्पावत के अन्तर्गत बनलेख-ललुवापानी मोटर मार्ग को राजमार्ग घोषित किए जाने, क्रातेश्वर आदि ट्रेक रूट्स पर साइनेजस लगाए जाएंगे। चम्पावत बाजार से गोरलचौड़ मैदान की ओर जाने वाले मोटर मार्ग का चौड़ीकरण का कार्य किया जाएगा। जिला मुख्यालय में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अन्तर्गत आपदा प्रशिक्षण केन्द्र का निर्माण, जिला मुख्यालय में बहुउदेशीय आपदा राहत केन्द्र का निर्माण के साथ कलक्ट्रेट चम्पावत का कुमाऊँनी शैली में पुर्ननिर्माण किये जाने की भी मुख्यमंत्री ने घोषणा की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा घटोत्कच स्मारिका का भी विमोचन भी किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष वन विकास निगम कैलाश चन्द्र गहतोड़ी,अध्यक्ष जिला पंचायत ज्योति राय, पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री हयात सिंह मेहरा,अध्यक्ष नगर पालिका चंपावत विजय वर्मा, ब्लॉक प्रमुख पाटी सुमन लता, बाराकोट विनीता फ़र्त्याल, चंपावत रेखा देवी, हरगोविंद बोहरा, अध्यक्ष मंदिर समिति मनमोहन सिंह बोहरा, जिलाधिकारी नरेंद्र सिंह भंडारी, पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा आदि उपस्थित थे।

संपादकीय

रिकॉर्ड जीएसटी संग्रहण

सितंबर में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का कुल संग्रहण 1,47,686 करोड़ रुपये हुआ है, जो पिछले साल इसी महीने के संग्रहण से 26 प्रतिशत अधिक है. बीते साल के सितंबर माह से इस वर्ष के संग्रहण को देखें, तो आयातित वस्तुओं से प्राप्त राजस्व में 39 प्रतिशत तथा घरेलू लेन-देन (आयातित सेवाओं समेत) से मिले राजस्व में 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. ये आंकड़े स्पष्ट रूप से इंगित करते हैं कि आर्थिक एवं औद्योगिक गतिविधियों में निरंतर वृद्धि हो रही है. यदि हम घरेलू और वैश्विक बाजार के उतार-चढ़ाव तथा अनिश्चितताओं को देखें, तो अर्थव्यवस्था के लगातार पटरी पर आने के ये संकेत निश्चित ही उत्साहजनक हैं. पिछले सात महीने से जीएसटी का मासिक संग्रहण 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है. पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल से सितंबर, 2021) के बीच के राजस्व संग्रहण से वर्तमान वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में हुए संग्रहण में 27 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. ऐसा अनुमान है कि अक्तूबर से मासिक जीएसटी संग्रहण 1.5 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर जायेगा. यह बहुत मुश्किल भी नहीं है, क्योंकि कई महीनों से संग्रहण और इस लक्ष्य के बीच का अंतर दो से छह हजार करोड़ रुपये का ही है. एक तो कारोबार के लगातार बढ़ने से राजस्व प्राप्ति में बढ़ोतरी की आशा करना स्वाभाविक है. इसके अलावा लगभग पांच महीने उत्सवों का मौसम रहेगा तथा इसी अवधि में नयी फसलों की आमद भी बाजार में होगी. खरीद-बिक्री बढ़ने से बाजार को भी हौसला मिलेगा तथा मुद्रास्फीति में राहत की उम्मीद भी है. जीएसटी संग्रहण प्रक्रिया के बेहतर होते जाने तथा कराधान के सहज व पारदर्शी होने का लाभ सभी को मिल रहा है. एक ओर संग्रहण बढ़ रहा है, तो दूसरी ओर कारोबारियों को भी सहूलियत हो रही है. सुधारों का सकारात्मक असर प्रत्यक्ष करों के संग्रहण पर भी दिख रहा है. पिछले माह केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने जानकारी दी थी कि कुल प्रत्यक्ष कर संग्रहण में बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में इस वर्ष 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. बिना आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोतरी तथा अधिक आमदनी के इतना बड़ा संग्रहण संभव नहीं है. प्रत्यक्ष करों में कॉर्पोरेट टैक्स और व्यक्तिगत आयकर (प्रतिभूति लेन-देन समेत) शामिल हैं. जैसा कि अनेक विशेषज्ञों ने रेखांकित किया है, करों के अधिक संग्रहण में वृद्धि में आयात बढ़ने तथा महंगाई का भी योगदान है. इन कारकों के पीछे वैश्विक हलचलों की भी भूमिका है. सरकार भारत में उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही है तथा रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के ठोस उपाय किये हैं.

सीएम धामी ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की 9 योजनाओं का शिलान्यास किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- इन 9 योजनाओं में 7776 मकान बनाए जाएंगे
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सभी गरीबों को घर का सपना हो रहा साकार: सीएम

देहरादून, 3 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार प्रेक्षागृह प्रांगण उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 547 करोड़ रुपए लागत की 9 योजनाओं का शिलान्यास किया। जिसमें से 8 योजनाएं उधम सिंह नगर की व 1 योजना नैनीताल जिले के रामनगर की है। उन्होंने स्पष्ट कहा की योजना निर्धारित समयावधि में पूर्ण हो और निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य में लेटलतीफी एवं हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी । मुख्यमंत्री ने 6499.53 लाख रुपये की लागत से प्रधानमंत्री आवास योजना मटकोटा, रुद्रपुर, 6681.26 लाख की लागत से प्रधानमंत्री आवास योजना भयामनगर, गदरपुर, 6625.96 लाख की लागत से प्रधानमंत्री आवास योजना उकरौली, सितारगंज, 8946.21 लाख की लागत से प्रधानमंत्री आवास योजना शिमला पिस्तौर, रुद्रपुर, 4345.06 लाख की लागत से प्रधानमंत्री आवास योजना गंगापुर गोसाई, काशीपुर, 8418.83 लाख की लागत से प्रधानमंत्री आवास योजना, जसपुर, 3560.40 लाख की लागत से प्रधानमंत्री आवास योजना मानपुर, काशीपुर, 3793.16 लाख की लागत से प्रधानमंत्री आवास योजना उमेधपुर, रामनगर, नैनीताल एवं 5833.85 लाख की लागत से प्रधानमंत्री आवास योजना महुआखेड़ागंज, काशीपुर की योजनाओं का शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत 9 आवासीय परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है। यह हमारा सौभाग्य है कि आज ऐसे पावन दिवस पर ये पुण्य कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि पूरा विश्वास है कि सितंबर 2024 तक यह सभी योजनाएं अपने तय समय पर पूरी होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिनको भी प्रधानमंत्री की इस योजना का लाभ मिला है उन सभी लाभार्थियों को उनके सपनों का घर मिलेगा, उनके सपनों का आशियाना मिलेगा, आज इन परियोजनाओं की नींव नहीं रखी जा रही है बल्कि उस स्वर्णिम काल की भी नींव रखी जा रही है जिसकी परिकल्पना बरसों से की जा रही थी। बरसों से एक सपना था कि सभी गरीबों को घर मिलना चाहिए, सबके सर के ऊपर छत होनी चाहिए । आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में यह सपना आज पूरा हो रहा है हम उसके साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे बीच आज अनेकों ऐसे परिवार है जिनके लिए अपना घर किसी सपने से कम नहीं है और वह बरसों की मेहनत के बाद भी अपने इस सपने को साकार नहीं कर पा रहे हैं । जब एक गरीब को घर मिलता है तो उसके जीवन में स्थिरता आती है, वह नई उम्मीद और आशाओं के साथ अपने जीवन में आगे बढ़ता है। इसलिए गरीबों को पक्का घर देने का यह अभियान सिर्फ सरकारी योजना मात्र नहीं है, प्रधानमंत्री का यह अभियान एक सरकारी योजना मात्र नहीं है,प्रदेश के एक-एक वंचित को इस बात का विश्वास देने की भी प्रतिबद्धता है एवं संकल्प है कि सरकार उनके सशक्तिकरण, आगे बढ़ाने के लिए, समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति को जिसके पास कोई सुविधा नहीं है, कोई साधन नहीं है, कोई सोच नहीं है, उसको भी आगे बढ़ाने का काम किसी ने किया है तो हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है।

भारतीय हवाई क्षेत्र में चीन जाने वाले ईरानी यात्री जेट पर 'बम की धमकी', IAF ने जेट विमानों को खंगाला

3 अक्टूबर। पूरे भारतीय हवाई क्षेत्र में वायु सेना द्वारा विमान की रडार निगरानी में थी; तेहरान से बम की आशंका को नजरअंदाज करने की सूचना मिली थी। भारतीय वायु सेना ने 3 अक्टूबर को ईरानी पंजीकरण वाले एक नागरिक विमान में बम की आशंका के बाद अपने लड़ाकू विमान को खंगाला और सुरक्षित दूरी पर विमान का पीछा किया, IAF ने कहा।

"विमान को जयपुर और फिर चंडीगढ़ में उतरने का विकल्प दिया गया था। हालांकि, पायलट ने दोनों में से किसी एक हवाईअड्डे पर जाने के लिए अपनी अनिच्छा की घोषणा की।

IAF ने विमान को रोकने के लिए जेट विमानों को खंगाला

"3 अक्टूबर को, ईरानी पंजीकरण वाली एक एयरलाइन पर बम की आशंका की सूचना मिली थी, जब वह भारतीय हवाई क्षेत्र से पारगमन कर रही थी। IAF के लड़ाकू विमानों को खंगाला गया, जो सुरक्षित दूरी पर विमान का पीछा कर रहे थे, "यह कहा। कुछ समय बाद, तेहरान से बम की आशंका को नजरअंदाज करने की सूचना मिली, जिसके बाद, विमान अपने अंतिम गंतव्य की ओर अपनी यात्रा पर जारी रहा।

पता चला है कि विमान का गंतव्य चीन था।

IAF ने कहा, ₹भारतीय वायुसेना द्वारा नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) और नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (BCAS) के साथ संयुक्त रूप से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सभी कार्रवाई की गई,₹ IAF ने कहा। इसने कहा कि विमान पूरे भारतीय हवाई क्षेत्र में वायु सेना द्वारा करीबी रडार निगरानी में था। यह पता चला है कि दिल्ली हवाई अड्डे पर वायु यातायात नियंत्रण भारतीय वायुसेना के संपर्क में रहा जब विमान भारतीय हवाई क्षेत्र में था।

Filghtradar24 के डेटा से पता चलता है कि विमान को भारतीय हवाई क्षेत्र से बाहर निकलते हुए देखा गया था, इससे पहले कि वह दिल्ली-जयपुर हवाई क्षेत्र में कुछ समय के लिए ऊंचाई कम कर रहा था।बम की धमकी की प्रकृति अभी भी स्पष्ट नहीं है। विमान को चीन की ओर उड़ान के रास्ते पर चलते हुए देखा गया।

देहरादून में 8 और 9 अक्टूबर को होगा संजीवनी दीपावली मेले का आयोजन

मेले में ऐपण की साड़ियां, मिट्टी के बर्तन, रिंगाल के उत्पादों समेत उत्तराखंडी उत्पादों की दिखेगी झलक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 अक्टूबर। राजधानी देहरादून में पिछले सालों की भाँति इस बार भी संजीवनी दीपावली मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन ओल्ड मसूरी रोड स्थित सिविल सेवा अकादमी में आगामी 8 और 9 अक्टूबर को किया जा रहा है। संजीवनी संस्था द्वारा लगातार पिछले 3 सालों से यह मेला आयोजित किया जा रहा है।संस्था की अध्यक्ष डॉ. हरलीन कौर संधु ने बताया कि इस मेले में उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों पर आधारित स्टॉल आदि लगाये जाएँगे, संजीवनी द्वारा आयोजित इस मेले का उद्देश्य प्रदेश के शिल्पकार, काश्तकार, कारीगरों, एवं लघु उद्यमियों मंच प्रदान करना है, ताकि उनकी बनी हुई वस्तुओं एवं कलाकृतियों को एक बाजार उपलब्ध हो सके। संजीवनी संस्था की सचिव श्रीमती रश्मि बर्धन ने बताया इस मेले में उत्तराखंड के विभिन्न जनपदों में पाए जाने वाले जैविक उत्पाद, स्थानीय लोगों द्वारा निर्मित पारंपरिक वास्तुकला पर आधारित उत्पाद, हस्तशिल्प एवं हथकरघा उत्पाद मुख्य आकर्षण रहेंगे। संजीवनी संस्था की उपाध्यक्ष डॉ. अलकनंदा अशोक ने बताया कि इस दो दिन तक चलने वाले दीपावली मेले में उत्तराखण्ड के पारम्परिक व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए जाएँगे। साथ ही प्रदेश के लोक कलाकार अपनी प्रस्तुति भी देंगे। संजीवनी संस्था की कोषाध्यक्ष श्रीमती अंजलि सिन्हा ने बताया कि मेले के आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर दी गई हैं इस बार मेले में ऐपण साड़ियाँ, अल्मोड़ा-बागेश्वर में तांबे के बर्तन, जोशीमठ की राजमा, पहाड़ी अंजीर के उत्पाद, रिंगाल के उत्पाद, हाथ से बनी मोमबत्ती, मिट्टी के बर्तन, दिए, गाय के गोबर से बने उत्पाद, खुर्जा आदि के विशेष उत्पादों को जगह दी गई है। गौरतलब है "संजीवनी" उत्तराखंड के सिविल सेवा अधिकारियों की पत्नियों द्वारा संचालित एक संस्था है। संस्था द्वारा समय समय पर उत्तराखण्ड राज्य के सामाजिक उत्थान की दिशा में विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा जाते रहे हैं।

मंत्री गणेश जोशी ने कन्या पूजन कर देहरादून को बेहतर बनाने का मां दुर्गा से लिया आशीर्वाद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 अक्टूबर। शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी के शुभ अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी व सौरभ नांगिया द्वारा जीएमएस रोड स्थित कुर्मांचल भवन में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सपरिवार मंदिर में पहुंचे। मंत्री जोशी ने मंदिर में पूजा अर्चना एवं हवन किया । अष्टमी पूजन कर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मां दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की।

अष्टमी तिथि पर कैबिनेट मंत्री ने अपनी पत्नी, पुत्र तथा पुत्रवधु व अन्य पारिवारिक सदस्यों के साथ कन्याओं को भोग लगाकर माता के स्वरूप कन्याओं की पूजा की। इस अवसर पर मंत्री जोशी ने कहा कि हमारी आस्था और श्रद्धा हमारे त्यौहार समाज को बड़ा संदेश देते हैं।

आज के अधुनिक समाज में नवरात्र और अष्टमी पूजन जैसे त्यौहार बेटियों को बेटों के बराबर ही स्थान एवं महत्व और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करने और उनका सम्मान करने व बेटियों के संरक्षण का संदेश देता है।इस अवसर पर राज्य सभा सांसद नरेश बंसल, सीएम धामी की पत्नी गीता धामी, जोगेंद्र पुंडीर सहित परिवार के अन्य सदस्य एवं स्थनीय लोग उपस्थित रहे।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक:
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष: 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा